Greenlawns School - Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन - 2016-2017

कक्षा :- दसवीं | पूर्णांक :- 80

विषय :- हिंदी

दिनांक :- 10.10.16 | समय :- 3 घण्टे

सूचना :-

1. प्रथम पंद्रह मिनट प्रश्न - पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
2. प्रश्न - पत्र के दो भाग हैं " अ " तथा " ब " ।
3. भाग " अ " के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
4. भाग " ब " में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
5. प्रश्न - पत्र के पृष्ठों की संख्या 9 है ।

Section A (40 Marks)

Attempt ALL Questions

विभाग - अ (अंक - 40)

भाषा - विभाग

Question 1) **Write a Short Composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :-** **(15)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखो :-

i. प्रदूषण वर्तमान युग की सबसे बड़ी समस्या है । इसके कारण एवं निदान पर अपने विचार लिखिए ।

ii. सदाचारी व्यक्ति जीवन के हर पहलू में सकारात्मक सोच रखते हैं । मानव जीवन में सदाचार का महत्त्व स्पष्ट करते हुए

समझाइए ।

iii. " असफलता ही सफलता का आधार है । " विषय के पक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए ।

iv. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

" आ बैल मुझे मार "

v. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए , जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

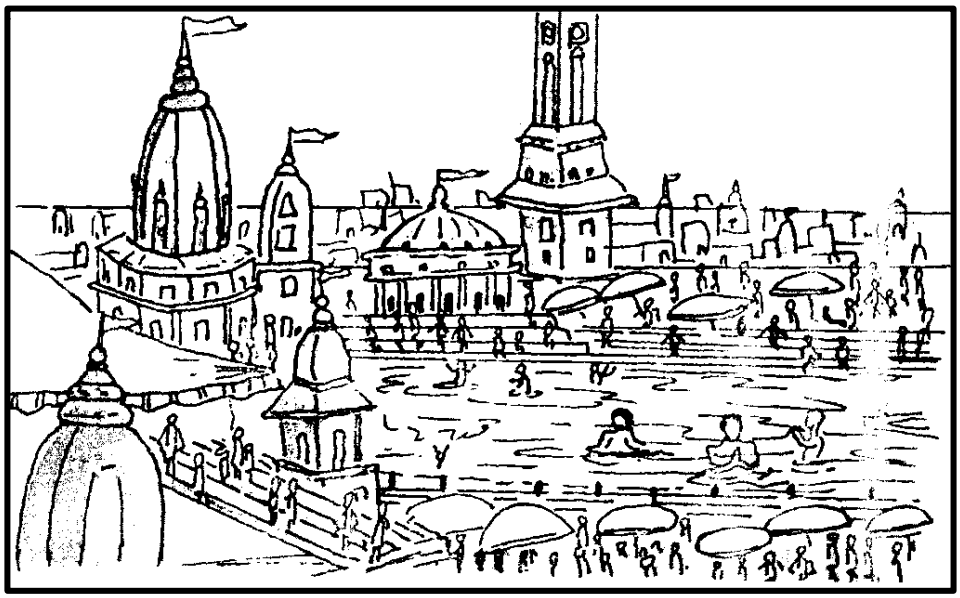

Question 2) **Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :-** **(7)**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :- (लिफाफा आवश्यक)

i. अस्वस्थ दादा जी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए दादीजी को पत्र लिखिए ।

अथवा

ii. रेल्वे कर्मचारी के दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए स्टेशन मास्टर को पत्र लिखिए ।

Question 3) **Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :-** **(10)**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके शब्दों में होने चाहिए :-

दक्षिण के एक छोटे से राज्य बीजापुर के एक साधारण सरदार का पुत्र शिवाजी अपने पराक्रम , साहस , शौर्य और योग्य नेतृत्व के बल पर एक स्वतन्त्र राज्य का संस्थापक बना । उसने एक ऐसे प्रबल राज्य की स्थापना की जिससे कि तत्कालीन मुगल साम्राज्य भी थर - थर काँपने लगा । उसने मुगल सम्राट औरंगजेब की रातों की नींद और दिन का चैन हराम कर दिया । वह अपने थोड़े से विश्वसनीय सैनिकों की सहायता से गुरिल्ला युद्ध पद्धति से शत्रुओं की लाखों की सेना को हैरान तथा ध्वस्त कर देता था । उसमें अधिकार का मद नहीं था और न था प्रभुत्व का अयुक्त इस्तेमाल । वह भारतीय संस्कृति का शुद्ध अनुयायी , परस्त्री को माता के समान समझने वाला प्रशासक था । चरित्रवान शिवाजी इस बात का ध्यान रखते थे कि पराजित शत्रुओं की नारियों का अपमान न हो ।

एक बार इसके एक मराठा सरदार को सूचना मिली कि मुगल सैनिकों की रखवाली में एक बहुत बड़ा खजाना आ रहा

है । वीर मराठों ने दुर्गम पर्वत - घाटियों में उसे घेर लिया । मुगल हारकर भाग गये और मराठों के हाथ लगी वह असीम धनराशि और पालकी में सवार एक अत्यन्त सुन्दर मुगल युवती । उस सरदार ने अपनी जीत की सूचना महाराज शिवाजी को भेजी । शिवाजी ने सरदार को उस सुन्दर युवती सहित दरबार में उपस्थित होने की आज्ञा दी ।

पालकी और लूट का माल लेकर वह सरदार शिवाजी की सभा में पहुँचा । सुन्दरी को पालकी से बाहर आने को कहा गया । अपने अनिष्ट की आशंका से भयभीत वह पालकी से बाहर आयी । उस सुन्दरी ने परदा (घूंघट) कर रखा था । शिवाजी ने उसको परदा हआने की आज्ञा दी । मुगल युवती के अद्भुत सौन्दर्य को देखकर शिवाजी बहुत चकित और प्रसन्न हुए । शिवाजी की प्रसन्नता का मिथ्या अर्थ लगाकर दरबारी खुश होने लगे और उस सरदार ने सोचा कि अब अवश्य ही पदोन्नति हो जायेगी ।

इतने में ही शिवाजी अतिशय गम्भीर हो गये और उस सुन्दरी की ओर एकटक देखते हुए बोले , " काश , मेरी माता भी इतनी सुन्दर होती , तो मैं इतना कुरूप न होता । " उनकी आँखों से क्रोध की चिंगारियाँ बरसने लगीं और उन्होंने गरजकर उस सरदार से कहा , " तुम्हें अपने कुकृत्य का फल अवश्य मिलेगा , पहले इस अनुपम सुन्दरी को जहाँ यह चाहे सम्मान सहित पहुँचाकर आओ । "

युवती ने कृतज्ञता भरी नजरों से शिवाजी को देखा और सिर झुका लिया ।

प्रश्न : –

i. शिवाजी ने एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना कैसे की ? (2)

ii. विजय प्राप्त करने के पश्चात् शिवाजी किस चीज़ का ध्यान रखते थे और क्यों ? (2)

iii. एक मराठा सरदार को क्या सूचना मिली और उसने क्या किया ? (2)

iv. मराठा सरदार ने क्या आशा लगाई थी और क्यों ? (2)

v. सुंदरी शिवाजी के प्रति कृतज्ञता से क्यों भर गयी ? (2)

Question 4) Answer the following according to the instructions given :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : –

i. निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : – (1)

1. आज्ञा 2. अपना

ii. निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : – (1)

1. अज्ञ 2. अनय

iii. निम्न शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए : – (1)

1. चिकित्सक 2. राष्ट्र

iv. निम्न अशुद्ध शब्द के शुद्ध शब्द लिखिए : – (1)

1. कवित्री 2. तृश्ना

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य (1)

बनाइए : –

1. आँख लगना 2. ईंट से ईंट बजाना

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : – (3)

1. वह अभी वापस लौटकर आ रहा है ।

(वाक्य शुद्ध कीजिए ।)

2. करे कार्य पूरा ईश्वर आपका हो ।

(शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए ।)

3. युवती कविता पढ़ रही है ।

(वचन बदलकर वाक्य दुबारा लिखिए ।)

Section B (40 Marks)

Attempt ANY 4 Questions

Attempt at least One - One Question from 2 books

विभाग – ब (अंक – 40)

(गद्य – विभाग)

साहित्य – सागर

संक्षिप्त कहानियाँ

इस भाग से कुल 4 प्रश्न करने हैं ।

चयनित प्रत्येक पुस्तक में से एक – एक प्रश्न लिखना अनिवार्य हैं ।

Question 5) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए : –

" ओह ! संसार की विश्वासघात की ठोकरों ने मेरे हृदय को

विक्षिप्त बना दिया है । मुझे उससे विमुख कर दिया है । किसी ने मेरे मानसिक विप्लवों ने मुझे सहायता नहीं दी । मैं ही सबके लिए मरा करुँ । अब मैं यह नहीं सह सकता । मुझे अकपट प्यार की आवश्यकता है । जीवन में वह कभी नहीं मिला ।

संदेह

लेखक – जयशंकर प्रसाद

प्रश्न : –

i. वक्ता के इस कथन में हमें किस बात की झलक मिल रही है ? वह किससे अपनी बात कहना चाहते हैं ? (2)

ii. " मानसिक विप्लवों " से क्या तात्पर्य हैं ? ये हमें क्या नुकसान पहुँचा सकते है ? वक्ता के संदर्भ में बताइए । (2)

iii. मोहनबाबू का संक्षिप्त परियच देते हुए बताइए कि उनहें किस पर संदेह था और क्यों ? (3)

iv. कहानी के आधार पर मनोरमा का चरित्र – चित्रण कीजिए । (3)

Question 6) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए : –

" हाँ भाई ! धनी पिता की इकलौती बिटिया ठहरी । तेरी इच्छा कभी टाली जा सकती है ? "

दो कलाकार

लेखक – मन्नू भंडारी

प्रश्न : –

i. " इकलौती बिटिया " कौन है ? उसके यहाँ किसका पत्र आया है (2)

? उसमें क्या लिखा गया है ?

ii. वक्ता कौन है ? उसे श्रोता की कला निरर्थक क्यों लगती है ? (2)

iii. श्रोता चौबीसों घंटे किस कार्य में डूबी रहती है ? स्पष्ट कीजिए । (3)

iv. कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । (3)

Question 7) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" मूर्ति संगमरमर की थी । टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची । "

नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

प्रश्न :-

i. मूर्ति किसकी थी , कहाँ पर थी ? क्यों ? (2)

ii. मूर्ति किस चीज़ की बनी थी ? किसने बनाई थी ? क्यों ? (2)

iii. मूर्ति की क्या - क्या विशेषताएँ थीं ? उसे देखकर कौन - सी बातें याद आने लगती थीं ? (3)

iv. मूर्ति को देखकर किस बात की कमी खटकती थी ? उसकी पूर्ति कैसे की गई ? (3)

पद्य - विभाग

Question 8) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" मेघ आये बड़े बन - ठन के सँवर के

आगे - आगे नाचती गाती बयार चली

दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगीं गली - गली

पाहुन ज्यों आये होंए गाँव में शहर के ।। "

मेघ आए

लेखक - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न :-

i. " बन ठन के " से क्या अभिप्राय है ? इन शब्दों का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? समझाइए । (2)

ii. " बयार " शब्द का क्या अर्थ है ? वह क्या कर रही है ? (2)

iii. दरवाजे खिड़कियाँ खुलने का क्या कारण है ? ऐसा कौन कर रहा है और क्यों ? (3)

iv. " पाहुन ज्यो आये हों गाँव में शहर के " पंक्ति का भाव समझाइए । (3)

Question 9) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

" मैं पूर्णता की खोज में

दर - दर भटकता ही रहा

प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ

रोड़ा अटकता ही रहा

पर हो निराशा क्यों मुझे ? जीवन इसी का नाम है

कुछ साथ में चलते रहे

कुछ बीच ही से फिर गए

पर गति जीवन का रुकी

जो गिर गए सो गिर गए

चलता रहे हरदम , उसी की सफलता अभिराम है । ”

चलना हमारा काम है

लेखक – शिव मंगल सिंह " सुमन "

प्रश्न :–

i. कवि किस पूर्णता की खोज में दर – दर भटकता है ? **(2)**

ii. कवि की जीवन में संगी – साथियों के बारे में क्या राय है ? **(2)**

iii. कविता का संदश अपने शब्दों में लिखिए । **(3)**

iv. शब्दार्थ लिखिए :– **(3)**

अभिराम , गति , पग , खोज , रोड़ा , फिर गए ।

Question 10) **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे पश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :–

“ जाके प्रिय न राम वैदेही ।

तजिए ताहि कोटि वैरी सम जइपि परम सनेही ।।

तज्यो पिता प्रल्हाद , विभीषण वन्धु , भरत महतारी ।

बलि गुरु तज्यो , कंत ब्रज बनिताहि , भए – मुद मंगलकारी ।।

नाते नेह राम के मनियत , सुहुद सुसेव्य जहाँ लौं ।

अंजन कहा आंख जेहि फूटै , बहु तक कहौं कहाँ लौं ।

तुलसी सो सब भांति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो ।।

जासों होय सनेह राम - पद , एतो मतो हमारो । ”

विनय के पद

लेखक - तुलसीदास

प्रश्न :-

i. किस व्यक्ति को बैरी के समान छोड़ देना चाहिए ? किस - किस व्यक्ति ने ऐसा किया ? **(2)**

ii. प्रह्लाद ने अपने पिता को क्यो छोड़ा ? **(2)**

iii. " अंजन कहा आँख जेहि फूटै , बहु तक कहौं कहाँ लौं " पंक्ति की व्याख्या स्पष्ट कीजिए । **(3)**

iv. कवि की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए । **(3)**

---------- **स मा प्त** ----------